Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to provide a permanent solution to annual floods in Bihar-laid.

श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल): बिहार में गंडक, बाग़मती, लखनदेई, कमला और कोसी समेत आधा दर्जन से भी ज़्यादा नदियों में आई बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हैं, इसमें एक बड़ा योगदान नेपाल से आने वाले पानी का है, जिसकी वजह से कोसी, कमला, बागमती, गंडक, महानंदा और गंगा मानसून के समय बेहद खतरनाक रूप ले लेती हैं, इस दौरान बिहार के आधे से ज्यादा जिले बुरी तरह प्रभावित होते हैं. इसमें ना सिर्फ लोगों के जानमाल बल्कि खेती का भी बड़ा नुकसान होता है| 1952 में बिहार की मात्र 25 लाख हेक्टेयर ज़मीन बाढ़ ग्रस्त थी. आज यह आंकड़ा बढ़कर 68.8 लाख हेक्टेयर हो गयी है, जो लगभग 3 गुना है | मैं सरकार से माँग करता हूँ बिहार में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ का स्थायी समाधान किया जाए |